मॉडल प्रश्न-पत्र प्रारूप (उत्तर सहित)
Model Sample Question Paper with Answers

[redacted]

इण्टरमीडिएट-द्वितीय वर्ष (Class XII)

Set 2

भूगोल (Geography)

Time – 3 Hours *Full Marks – 70*

सामान्य निर्देश : परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
दाहिने ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
सभी प्रश्नों के उत्तर दें।
प्रश्न संख्या 1 से 10 तक प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।
प्रश्न संख्या 11 से 20 तक प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का हैं। परीक्षार्थी अपना उत्तर 30 शब्दों से अधिक में न दें।
प्रश्न संख्या 21 से 25 तक प्रत्येक प्रश्न 4 अकों का हैं। परीक्षार्थी अपना उत्तर 100 शब्दों से अधिक में न दें।
प्रश्न संख्या 26 से 29 तक प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। परीक्षार्थी अपना उत्तर 200 शब्दों से अधिक में न दें।

बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न $1 \times 10 = 10$

1. विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश है -
(a) भारत (b) चीन (c) नाइजीरिया (d) इण्डोनेशिया। *उत्तर : (b)*

2. भारत का सबसे बड़ा नगर है -
(a) कोलकाता (b) दिल्ली (c) मुंबई (d) चेन्नई *उत्तर : (a)*

3. रबड़ किस प्रकार की कृषि की उपज है?
(a) रोपण कृषि (b) भूमध्यसागरीय कृषि
(c) प्रारम्भिक स्थायी कृषि (d) मिश्रित कृषि। *उत्तर :(a)*

4. निम्नलिखित देशों में से किस देश में न्यूनतम जन्मदर पायी जाती है?
(a) फ्रांस (b) जापान (c) जर्मनी (d) यू.एस.ए. *उत्तर : (b)*

5. ध्वनि की माप की इकाई क्या है?
(a) डेसीबल (b) जूल (c) मीटर (d) प्रतिशत। *उत्तर : (a)*

6. विश्व का व्यस्ततम जलमार्ग है:
(a) उत्तरी अटलाण्टिक समुद्री मार्ग (b) हिन्द महासागरीय मार्ग
(c) उत्तमाशा अन्तरीप मार्ग (d) इनमें कोई नहीं। *उत्तर : (a)*

Scanned with CamScanner

7. निम्नलिखित में किस प्रदूषण द्वारा सर्वाधिक बीमारियाँ होती हैं?
(a) वायु प्रदूषण
(b) जल प्रदूषण
(c) भूमि प्रदूषण
(d) ध्वनि प्रदूषण। उत्तर : *(b)*

8. जनांकिकी संक्रमण का विचार किसने दिया?
(a) मार्शल (b) अमर्त्य सेन (c) नोएस्टीन उत्तर : *(c)*

9. रबी फसल ऋतुएँ हैं –
(a) अक्टूबर से मार्च
(b) जून से सितम्बर
(c) अप्रैल से जून
(d) उपर्युक्त में कोई नहीं। उत्तर : *(a)*

10. निम्न में से किस प्रकार की कृषि में खट्टे रसदार फलों की कृषि की जाती है?
(a) बाजारीय सब्जी कृषि
(b) भूमध्यसागरीय कृषि
(c) रोपण कृषि
(d) सहकारी कृषि। उत्तर : *(b)*

अति लघु-उत्तरीय प्रश्न $2 \times 10 = 20$

प्रश्न 11. वर्षा जल संग्रहण क्या है? 2

उत्तर : भविष्य के उपयोग के लिए वर्षा के जल को कुओं, गड्ढों, तालाबों आदि में जमा करके रखने की प्रक्रिया वर्षा जल संग्रहण के नाम से जानी जाती है। यह भौम जल स्तर में वृद्धि करने और उसकी गुणवत्ता बनाये रखने की एक कम लागत की तकनीक है।

प्रश्न 12. पर्यटन की परिभाषा दीजिए। 2

उत्तर : व्यापार या अन्य किसी व्यक्तिगत-पारिवारिक कारणों के बजाय मनोरंजन के उद्देश्य से की गयी यात्रा को पर्यटन कहते हैं। पर्यटन एक महत्वपूर्ण तृतीयक गतिविधि के रूप में विकसित हुआ है जो एक विशाल जनसंख्या के रोजगार एवं आय का साधन है।

***अथवा*, पर्यटन आकर्षण के प्रमुख कारकों का उल्लेख करें।**

उत्तर :
(i) जलवायु
(ii) प्राकृतिक भूदृष्य
(iii) इतिहास एवं कला
(iv) संस्कृति एवं अर्थव्यवस्था
(v) मनोरंजन के साधन
(vi) आवागमन एवं शांति-व्यवस्था आदि।

प्रश्न 13. पत्तनों को 'अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का द्वार' क्यों कहा जाता है? 2

उत्तर : अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में समुद्री पत्तनों का महत्त्वपूर्ण स्थान है। समुद्री मार्ग के द्वारा भारी वस्तुओं का भारी मात्रा में परिवहन होता है। जहाज पत्तनों पर रुकते हैं जहाँ से आयातित माल को उतारा जाता है तथा निर्यात की जाने वाली वस्तुओं को चढ़ाया जाता है। इस प्रकार समुद्री पत्तन वस्तुओं के प्रवेश एवं निकास के स्थान हैं। इसी कारण पत्तनों को 'अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का प्रवेश द्वार' कहते हैं।

***अथवा*, तृतीयक क्रियाकलाप क्या है?**

उत्तर : अमूर्त सेवाओं से संबंधित क्रियाकलाप को तृतीयक क्रियाकलाप के अन्तर्गत शामिल किया जाता है। 'सेवा' वह गतिविधि है जिसमें किसी वस्तु का उत्पादन नहीं होता है। इसके अन्तर्गत शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार तथा परिवहन को सम्मिलित किया जाता है।

प्रश्न 14. रोपण (या बागानी कृषि) कृषि क्या है? 2

उत्तर : यूरोप में औद्योगिक क्रांति ने एशियाई, लैटिन अमेरिकी तथा अफ्रीकी देशों के फ़सल प्रारूप में महत्त्वपूर्ण परिवर्तन किये। उद्योगों के लिए कच्चे माल के लिए कपास, गन्ना, चावल, चाय, कहवा एवं रबर की खेती की आवश्यकता हुई। अत: इन फसलों की व्यापारिक

Scanned with CamScanner

स्तर पर उत्पादन प्रारंभ हुआ। इसे रोपण कृषि की संज्ञा दी गयी। इसके अन्तर्गत फसलों के उत्पादन के लिए बड़े-बड़े बागान बनाये गये तथा इनका प्रबंधन वैज्ञानिक तरीके से किया गया।

प्रश्न 15. प्रौद्योगिकी ध्रुव किसे कहते हैं? 2

उत्तर : जहाँ उच्च प्रोद्योगिकी का केन्द्र स्थापित होता है उसे विज्ञान नगर, उच्च प्रोद्योगकी क्षेत्र आदि कहा जाता है। ऐसे विज्ञान नगर, प्रौद्योगिक पार्क आदि एक साथ मिलकर किसी वृहत उच्च तकनीकी प्रौद्योगिक क्षेत्र का निर्माण करते है तब उस वृहत क्षेत्र को प्रौद्योगिकी ध्रुव कहा जाता है।

प्रश्न 16. उर्जा के साधन के रूप में ताप विद्युत और जल विद्युत की तुलना करें। 2

उत्तर : ताप-विद्युत	जल-विद्युत
(1) यह कोयला, खनिज तेल, यूरेनियम के प्रयोग से बनायी जाती है।	(1) इसे जल के बहाव की शक्ति द्वारा तैयार किया जाता है।
(2) यह प्रदूषण फैलाती है।	(2) यह प्रदूषण रहित है।
(3) इसके स्रोत गैर-नवीकरणीय हैं।	(3) इसका स्रोत जल है जो एक नवीकरणीय स्रोत है।
(4) यह ऊर्जा का महँगा साधन है।	(4) यह ऊर्जा का सस्ता साधन है।

***अथवा,* जल संसाधनों में आ रही देश में कमी के कारणों का उल्लेख कीजिए।**

उत्तर : जल संसाधन सीमित हैं लेकिन जनसंख्या का बढ़ना, उद्योगों का बढ़ना एवं जल संसाधनों का घरेलू निस्सरण से प्रदूषित होकर स्वच्छ जल क्षेत्र में कमी होना निश्चय ही देश में जल संसाधनों की कमी के कारण हैं। इन कारणों का निराकरण नहीं किया गया तो वह दिन दूर नहीं जब देश में जल की कमी महसूस की जायेगी। आज देश में लगातार जल संसाधन की कमी महसूस की जा रही है।

प्रश्न 17. "संसाधन एवं प्रतिरोध साथ-साथ चलते हैं।" व्याख्या करें। 2

उत्तर : प्राकृतिक रूप से उपलब्ध भौतिक तत्त्वों का प्रयोग मनुष्य संसाधन के रूप में करता है। संसाधनों का निर्माण एवं उपयोग एक सतत् प्रक्रिया है। जैसे, मिट्टी एक संसाधन है। जब तक मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है, यह कृषि कार्य के लिए उपयोगी होती है। लेकिन, धीरे-धीरे मिट्टी की उर्वरता समाप्त हो जाती है तथा यह कृषि कार्य के लिए उपयुक्त नहीं रह जाती है। यहाँ मिट्टी, कृषि कार्य के लिए संसाधन एवं प्रतिरोध दोनों रूपों में कार्य करती है।

इसी प्रकार, मानव एक संसाधन तथा प्रतिरोध दोनों है। मानव, संसाधन के रूप में उच्च जीवन स्तर, राष्ट्रीय विकास, राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक समानता आदि को सुनिश्चित करता है जबकि, अज्ञानता, स्वार्थ, संघर्ष, हिंसा आदि विकास के मार्ग में बाधा पहुँचाते हैं। अंत: यह कहा जा सकता है कि संसाधन एवं प्रतिरोध साथ-साथ चलते हैं।

प्राकृतिक पदार्थों को संसाधन तब कहा जाता है, जब उसकी उपयोगिता का ज्ञान मनुष्य को हो जाता है। जैसे- कोयला पर्यावरण में सदैव से उपस्थित था, लेकिन इसे एक संसाधन तब माना गया, जब ऊर्जा उत्पादन के साधन के रूप में मनुष्य ने इसका प्रयोग किया।

प्रश्न 18. लिंग अनुपात से आप क्या समझते हैं? यह क्या संकेत करता है? 2

उत्तर : प्रति हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या को लिंग-अनुपात के नाम से जाना जाता है। लिंग अनुपात का निर्धारण निम्नांकित सूत्र के प्रयोग द्वारा किया जाता है –

$$\text{लिंग अनुपात} = \frac{\text{महिलाओं की संख्या}}{\text{पुरुषों की संख्या}} \times 1000$$

Scanned with CamScanner

यदि लिंग अनुपात 1000 से अधिक है तो इसका अर्थ यह है कि महिलाओं की संख्या, पुरुषों की संख्या से अधिक है। यदि लिंग अनुपात 1000 से कम है तो इसका अर्थ यह है कि महिलाओं की संख्या पुरुषों से कम है।

लिंग-अनुपात, जनसंख्या में वृद्धि, विवाह-दर, व्यावसायिक संरचना आदि जैसे तथ्यों पर प्रकाश डालता है।

प्रश्न 19. परिवहन का क्या अर्थ है? परिवहन के पाँच माध्यम बतायें। **2**

उत्तर : वस्तुओं अथवा लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने की प्रक्रिया को परिवहन के नाम से जाना जाता है।

यह प्रक्रिया निम्नांकित माध्यमों द्वारा सम्पन्न होती है-

(i) सड़क मार्ग (ii) रेल मार्ग (iii) वायु मार्ग
(iv) जल मार्ग (v) पाइप लाइन।

***अथवा,* रेल परिवहन के क्या लाभ/गुण हैं?**

उत्तर : रेल परिवहन से निम्नलिखित लाभ हैं :

(i) रेल परिवहन एक कम खर्चीला व सुविधाजनक साधन है।

(ii) रेलवे भारी माल व अधिक तादाद में दूर-दूर तक सवारियों का तीव्र गति से आवागमन करता है।

(iii) औद्योगीकरण के विस्तार में रेलवे का काफी बड़ा योगदान है।

(iv) कच्चे माल को कारखानों तक एवं तैयार माल को देश के कोने-कोने तक पहुँचाने के लिए रेलवे सबसे बड़ा साधन है।

(v) देश के विभिन्न भागों के नागरिकों को एक-दूसरे के निकट लाकर रेलवे ने सामाजिक व सांस्कृतिक एकता बढ़ाने में मदद की है।

प्रश्न 20. लौह अयस्कों के प्रकारों को बताइए। **2**

उत्तर : लौह अयस्क चार प्रकार के होते हैं :

(i) मैग्नेटाइट (लौह अंश - 72 प्रतिशत)
(ii) हैमेटाइट (लौह अंश - 60-70 प्रतिशत)
(iii) लिमोटाइट (लौह अंश - 40-60 प्रतिशत)
(iv) सिडेराइट (लौह अंश - 40-50 प्रतिशत)

मैग्नेटाइट और हैमेटाइट : दोनों लोहे के प्रमुख अयस्क हैं। दोनों में 60 प्रतिशत से ज्यादा लौह प्रतिशत पाया जाता है।

मैग्नेटाइट और हैमेटाइट : मैग्नेटाइट में लौह प्रतिशत 72 प्रतिशत होता है जबकि हैमेटाइट में यह 60-70 प्रतिशत होता है।

***अथवा,* अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के आधार कौन-कौन से हैं?** **2**

उत्तर : अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के निम्नलिखित आधार माने गये हैं :

- प्राकृतिक संसाधनों में विषमता
- वस्तुओं का अधिक उत्पादन
- व्यापार नीति
- उत्पादन में विशिष्टता
- आर्थिक विकास की विभिन्नता
- शांति और युद्ध – राजनीतिक सम्बंध

4 × 5 = 20

लघु-उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 21. सड़क परिवहन के गुण-दोषों का उल्लेख करें। **4**

उत्तर : सड़क परिवहन के गुण :

(i) सड़कों की निर्माण लागत रेल-मार्ग से कम होती है।

(ii) सड़कों का निर्माण ऊँची-नीची, उबड़-खाबड़ भूमि पर कि जा सकता है जबकि रेल ट्रेक के लिए समतल भूमि की आवश्यकता होती है।

Scanned with CamScanner

(iii) सड़क मार्ग यात्रियों एवं माल के लिए सस्ता साधन है।

(iv) सड़क मार्ग गंतव्य के आखिरी बिन्दु तक जाते हैं, जबकि रेल का ठहराव सिर्फ स्टेशनों में ही होता है।

(v) सड़क परिवहन, अन्य परिवहन माध्यमों जैसे पत्तन, हवाई अड्डा, रेलवे स्टेशन आदि के पूरक के रूप में कार्य करता है

सड़क परिवहन के दोष :

(i) लंबी दूरी के लिए सड़क मार्ग अधिक खर्चीला है।

(ii) सड़क मार्ग से भारी मात्रा में वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने में कठिनाई होती है।

(iii) खराब भूमि में सड़क के निर्माण पर अधिक व्यय आता है।

(iv) सड़कों पर ट्रैफिक में वृद्धि के कारण आये दिन दुर्घटनाएँ होती रहती हैं।

(v) तीव्र गति से चलने वाले वाहनों से पर्यावरण पर खराब प्रभाव पड़ता है।

प्रश्न 22. कुटीर उद्योग एवं लघु उद्योग में क्या अंतर है? 4

उत्तर :

कुटीर उद्योग	लघु उद्योग
(1) व्यक्तिगत कौशल एवं दक्षता के आधार पर संचालित	(1) श्रमिकों की सहायता से संचालित
(2) सीमित स्थानीय बाजार	(2) विस्तृत एवं व्यापक बाजार
(3) स्थानीय कच्चे माल का प्रयोग	(3) कच्चे माल सुदूर क्षेत्रों से
(4) उत्पादन का स्तर निम्न	(4) उत्पादन का स्तर मध्यम
(5) ऊर्जा संसाधन तथा परिवहन के साधनों से अप्रभावित	(5) ऊर्जा संसाधन तथा परिवहन की अधिक आवश्यकता
(6) साधारण औजारों का प्रयोग	(6) हल्की मशीनों का प्रयोग
(7) पूँजी की आवश्यकता नहीं के बराबर	(7) पूँजी की आवश्यकता
(8) उदाहरण : रस्सी, टोकरी, चटाई आदि का निर्माण	(8) उदाहरण : इलैक्ट्रानिक खिलौने, कपड़ा, मिट्टी के बर्तन एवं खिलौने आदि का निर्माण।

प्रश्न 23. भारत के प्रमुख पत्तनों का नाम लिखकर किसी दो का वर्णन करें।4

उत्तर : भारत में राष्ट्रीय महत्त्व के पत्तनों की संख्या 12 है। इनमें से 6 पूर्वी तट पर तथा 6 पश्चिमी तट पर अवस्थित हैं।

पश्चिमी तट – कांडला, मुंबई, मार्मगाओ, कोच्चि, मंगलोर तथा जवाहर लाल नेहरू समुद्री पत्तन

पूर्वी तट – कोलकाता, पारादीप, हल्दिया, तूतीकोरन,. विशाखापटनम तथा चेन्नई.

पश्चिमी तट के पत्तन :

(i) कांडला – यह एक प्राकृतिक पत्तन है। इसकी पृष्ठभूमि अत्यधिक समृद्ध है, जिसमें उत्तर-पश्चिम के उपजाऊ मैदान सम्मिलित हैं। यहाँ समुद्र की गहराई 10 मीटर से अधिक है। कराची बन्दरगाह के विकल्प के रूप में विकसित इस पत्तन पर बड़े-बड़े जहाजों के ठहरने की व्यवस्था है। यह पत्तन स्वेज नहर से भी जुड़ा हुआ है। यहाँ से सूती वस्त्र, सीमेंट, मशीन तथा दवाइयाँ आयात की जाती हैं तथा अभ्रक, तिलहन, नमक आदि का निर्यात किया जाता है।

(ii) मुंबई – यह भारत का सबसे बड़ा प्राकृतिक बंदरगाह है। यह स्वेज नहर के मार्ग पर स्थित है। इसकी पृष्ठभूमि में कपास उत्पादन में समृद्ध क्षेत्र तथा विकसित औद्योगिक प्रदेश हैं। इसे भारत का 'सिंह द्वार' भी कहा जाता है। यहाँ से मशीनरी, पेट्रोल, कोयला, कागज,

Scanned with CamScanner

कच्ची फिल्में आदि आयात की जाती हैं तथा सूती वस्त्र, मैंगनीज, चमड़ा तंबाकू आदि निर्यात किये जाते हैं।

प्रश्न 24. भारत में सूती वस्त्र उद्योग का संकेंद्रण किस क्षेत्र में सर्वाधिक हुआ? इसके मुख्य कारण क्या थे? 4

***अथवा,* गुजरात एवं महाराष्ट्र में सूती वस्त्र उद्योग क्यों अधिक स्थित है?**

उत्तर : सूती वस्त्र उद्योग का अधिकांश संकेंद्रण महाराष्ट्र एवं गुजरात क्षेत्र में हुआ। इसके निम्नलिखित कारण थे –

(i) पूँजी की उपलब्धता
(ii) कच्चे माल के रूप में कपास की बहुलता
(iii) प्रमुख पत्तन होने के कारण मशीनों तथा कपास के आयात में सुविधा
(iv) नम जलवायु उद्योग के लिए अनुकूल
(v) भारी मात्रा में जल की उपलब्धता
(vi) सस्ते और भारी मात्रा में श्रम की उपलब्धता
(vii) विकसित परिवहन व्यवस्था।

***अथवा,* सूती वस्त्र उद्योग के दो सेक्टरों के नाम बताइए। वे किस प्रकार भिन्न हैं? भारत में सूती वस्त्र उद्योग के वितरण के पाँच लक्षण बताएँ।**

उत्तर : भारत में सूती वस्त्र उद्योग को दो सेक्टरों में विभाजित किया जाता है- **संगठित सेक्टर और विकेन्द्रित सेक्टर।** संगठित सेक्टर में मशीनों द्वारा कपड़े तैयार किये जाते हैं तथा विकेन्द्रित सेक्टरों में हाथ-करघे और विद्युत करघों के द्वारा कपड़े तैयार किये जाते हैं।

भारत में सूती वस्त्र उद्योग के वितरण के पाँच लक्षण :

(i) भारत में सूती वस्त्र उद्योग व्यापक रूप से वितरित हैं।
(ii) मुम्बई तथा अहमदाबाद इसके बड़े केन्द्र हैं।
(iii) यह श्रम आधारित उद्योग है।
(iv) कपड़े का उत्पादन मिल सैक्टर, पावरलूम तथा हथकरघों द्वारा होता है।
(v) यह भारत का सबसे बड़ा उद्योग है।

प्रश्न 25. प्रवास प्रवाह क्या है? प्रवास के विभिन्न रूपों का उल्लेख करें। 4

***अथवा,* भारत में प्रवास की धाराएँ कौन-सी हैं? इनकी मुख्य विशेषता लिखिए।**

उत्तर : प्रवास के विभिन्न रूप निम्नलिखित हैं –

(i) गाँव से गाँव की ओर – भूमिहीन श्रमिकों का कृषि क्षेत्र की ओर प्रवास।

(ii) गाँव से शहरों की ओर – रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि की सुविधाओं के कारण लोगों का गाँवों से शहरों की ओर प्रवास।

(iii) शहर से शहर की ओर – छोटे शहरों से बड़े शहरों की ओर या बड़े शहरों से छोटे शहरों की ओर प्रवास।

(iv) शहर से गाँव की ओर – भीड़-भाड़ वाले शहरों से खुले गाँव की ओर प्रवास।

(v) अंतर्राष्ट्रीय – उच्च शिक्षा प्राप्त लोगों का एक देश से दूसरे देश की ओर प्रवास।

***अथवा,* मानव प्रवास को प्रभावित करने वाले अपकर्ष एवं प्रतिकर्ष कारकों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।**

उत्तर : **अपकर्ष कारक :** आर्थिक कारकों के अतिरिक्त कारकों जैसे – विवाह, सामाजिक सुरक्षा, राजनीतिक अस्थिरता, जातीय संघर्ष, बेहतर सामाजिक नैतिक व सांस्कृतिक दशाओं से प्रभावित प्रवास, अपकर्ष कारकों के आधार पर होता है।

Scanned with CamScanner

प्रतिकर्ष कारक : आर्थिक तंगी तथा रोजागार में कमी के कारण किया गया प्रवास प्रतिकर्ष कारकों के आधार पर होता है। कृषि की निम्न स्थिति, भारी बेरोजगारी, कृषि पर जनसंख्या का भारी दबाव आदि इसके मुख्य कारण हैं।

दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न $5 \times 4 = 20$

प्रश्न 26. संसार में मानव के प्रमुख क्रियाकलापों का वर्णन कीजिए। 5

अथवा, आर्थिक क्रियाकलापों का विवरण प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर : मानव की उन समस्त क्रियाओं को आर्थिक क्रिया कलाप कहते हैं जिनका संबंध उत्पादन, विनिमय और उपभोग से होता है।

(अ) उत्पादन (Production) : उत्पादन का तात्पर्य है किसी वस्तु के स्थान में परिवर्तन कर, स्वरूप में परिवर्तन कर तथा सेवा आदि प्रदान कर अन्य को लाभ पहुँचाना। उत्पादन के निम्न पाँच प्रकार हैं जो प्राथमिक, द्वितीयक, तृतीयक, चतुर्थक और पंचमक क्रियाकलाप कहलाते हैं।

1. प्राथमिक क्रिया कलाप (Primary activities) : वस्तुओं का प्रकृति से दोहन करना ही प्राथमिक क्रियाकलाप है जैसे आखेट, कृषि, खनन, मत्स्यन आदि।

2. द्वितीयक क्रियाकलाप (Secondary activities) : वस्तुओं का स्वरूप बदलकर उनमें मूल्य वृद्धि करना द्वितीयक क्रियाकलाप है जैसे- विनिर्माण उद्योग।

3. तृतीयक क्रियाकलाप (Tertiary activities) : विभिन प्रकार की सेवाएँ प्रदान करना ही तृतीयक क्रियाकलाप है। ये सेवाएँ व्यक्तिगत हैं सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों के द्वारा दी जाती हैं।

4. चतुर्थक क्रियाकलाप (Quaternary activities) : सूचना, अनुसंधान एवं विकास आधारित सेवाओं को चतुर्थक क्रियाकलाप कहा गया है।

5. पंचमक क्रियाकलाप (Quinary activities) : किसी भी विषय से संबंधित विशेषज्ञता, निर्णयकर्त्ता, परामर्शदाता तथा नीति निर्धारक क्रियाकलापों को पंचमक क्रियाकलाप कहा गया है।

(ब) विनियम (Exchange) : वस्तुओं तथा सेवाओं के आदान-प्रदान को विनिमय कहते हैं। यह दो प्रकार का होता है :

1. स्थिति में परिवर्तन (Exchange of location) : स्थिति में परिवर्तन दो प्रकार से होता है। पहला किसी वस्तु की स्थिति में परिवर्तन करना अर्थात् वस्तुओं का परिवहन, दूसरा है लोगों की स्थितियों में परिवर्तन अर्थात् यात्री परिवहन।

2. स्वामित्व में परिवर्तन (Exchange of ownership) : किसी वस्तु या भूमि आदि के स्वामित्व में परिवर्तन अर्थात् बिक्री करना। यही है व्यापार।

(स) उपभोग (Consumption) : प्रत्येक आर्थिक क्रियाकलाप का उपभोग करना भी मानव का अंतिम लक्ष्य है। यह सबसे महत्त्वपूर्ण आर्थिक क्रियाकलाप है।

***अथवा,* सूचना प्रौद्योगिकी का क्या अर्थ है? यह किस प्रकार चतुर्थक क्रिया-कलापों के विकास में सहायक हुई है? उपयुक्त उदाहरणों सहित इसकी व्याख्या कीजिए।**

उत्तर : सूचना प्रौद्योगिकी से तात्पर्य है – सूक्ष्म इलेक्ट्रॉनिक्स, कम्प्यूटिंग, दूरसंचार, प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक तकनीक का समन्वय एवं उपयोग।

इस तकनीक के उद्भव से अनेक क्षेत्रों में क्रान्तिकारी परिवर्तन आया है जिसके परिणामस्वरूप नवीनतम क्रियाकलापों का विकास हुआ है।

Scanned with CamScanner

(i) सूचना तकनीक के द्वारा आनुवांशिक अभियान्त्रिकी का महत्त्वपूर्ण विकास हुआ है। यह आनुवांशिक अभियान्त्रिकी आज कृषि, स्वास्थ्य सेवाओं, दवाइयों, यातायात और विनिर्माण में उपयोग में लाई जा रही है।

(ii) औद्योगिक देशों में इस प्रौद्योगिकी के कारण बृहत स्तर पर रोजगार का सृजन हुआ है। सूचना संग्रहण, उसका विश्लेषण और उसे उपयोगी रूप देने में अनेक चतुर्थक क्रिया-कलापों का योगदान होता है। इस तकनीक ने आर्थिक क्रिया-कलापों को विभिन्न देशों के बीच लम्बी दूरी तक विस्तृत कर दिया है।

(iii) सूचना दूरसंचार का अंकन कम्प्यूटर के साथ समन्वित नेटवर्क के रूप में सम्मिलित हो गया है। इलेक्ट्रॉनिक निधि अंतरण प्रणाली अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय अर्थव्यवस्था का आधार बन गई है और बैंक तत्काल किसी भी समय दुनिया के किसी भी भाग में पूँजी अंतरित कर सकते हैं। बैंक, बीमा कम्पनियाँ, प्रतिभूति कर्म दुनिया में अपना सघन नेटवर्क बनाने में अग्रणी रहे हैं।

इस प्रकार सूचना तकनीक सम्पूर्ण विश्व में चतुर्थक क्रिया-कलापों के विकास में अत्यधिक सहायक हुई है।

प्रश्न 27. संसार में बड़े पैमाने पर होने वाले आधुनिक विनिर्माण की प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। 5

उत्तर : बड़े पैमाने पर होने वाले आधुनिक विनिर्माण की विशेषताएँ :

1. कौशल का विशिष्टीकरण : अधिक उत्पादन का सम्बन्ध बड़े पैमाने पर बनाये जाने वाले सामानों से है। इस प्रकार के निर्माण कार्य के प्रत्येक भाग के लिए विशिष्ट कौशल वाले व्यक्ति अपना योगदान देते हैं। प्रत्येक कारीगर अपने कौशल के अनुसार निरंतर एक ही प्रकार का कार्य करता है। इससे उत्पादन की मात्रा एवं गुणवत्ता उत्तम स्तर की होती है।

2. यंत्रीकरण : बड़े पैमाने पर होने वाले आधुनिक विनिर्माण में आधुनिक मशीनों का प्रयोग किया जाता है। स्वचालित यंत्रीकरण से मानव शक्ति की बचत होती है, कार्य तीव्र गति से होता है तथा उत्पाद की गुणवत्ता एक समान बनी रहती है।

3. प्रौद्योगिकीय नवाचार : निरंतर शोध एवं विकासमान युक्तियों के द्वारा नये उत्पादों का सृजन, विनिर्माण की गुणवत्ता को नियंत्रित करने के उपाय, अदक्षता को समाप्त करने तथा प्रदूषण को घटाने की युक्तियाँ आधुनिक विनिर्माण की विशेषता है।

4. संगठनात्मक ढाँचा एवं स्तरीकरण : संगठनात्मक ढाँचा एवं स्तरीकरण द्वारा बड़े स्तर पर निम्न गतिविधियाँ संचालित होती हैं :

(i) एक जटिल प्रौद्योगिकी यंत्र, (ii) अत्यधिक विशिष्टीकरण एवं श्रम विभाजन के द्वारा कम प्रयास एवं अल्प लागत से अधिक माल का उत्पादन करना, (iii) अधिक पूंजी, (iv) बड़ा संगठन, (v) प्रशासकीय अधिकारी-वर्ग।

***अथवा,* विकसित देशों में निरौद्योगीकरण के मुख्य कारण बताएँ तथा उसके पड़ने वाले प्रभावों का उल्लेख करें।**

उत्तर : निर्माणकारी उद्योगों में गिरावट को निरौद्योगीकरण कहा जाता है। निर्माणकारी उद्योग समय के साथ पुराने पड़ते जाते हैं तथा एक समय के बाद अलाभकारी होने लगते हैं। चूँकि विकसित देशों में निमार्णकारी उद्योगों की अधिकता होती है अत:वहाँ निरौद्योगीकरण ज्यांदा होता है।

निरौद्योगीकरण के मुख्य कारण –

(i) बाजार में कम मूल्यों के उत्पादों की अधिकता (ii) श्रम-शक्ति के स्थान पर मशीन-शक्ति के प्रयोग की अधिकता (iii) द्वितीयक क्षेत्र से तृतीयक तथा चतुर्थक क्षेत्रों में पलायन (ii) पुरानी मशीनों का प्रयोग।

निरौद्योगीकरण के प्रभाव –

(i) सेवा क्षेत्र में रोजगार की भारी संख्या

(ii) उच्च शिक्षा वाले व्यक्तियों का विनिर्माण से सेवा क्षेत्र की ओर पलायन।

Scanned with CamScanner

(iii) विकास की स्वाभाविक प्रक्रिया अर्थात् अर्थव्यवस्था का प्राथमिक से द्वितीयक, द्वितीयक से तृतीयक तथा तृतीयक से चतुर्थक क्षेत्र में संक्रमण

(iv) कुछ देशों द्वारा विनिर्माण के क्षेत्र में भारी उत्पादन। जैसे – चीन एवं जापान द्वारा निर्मित वस्तुएँ अकेले ही सम्पूर्ण विश्व की आवश्यकता को पूर्ण कर रही हैं। इससे अन्य देश उस वस्तु के विनिर्माण से दूर ही रहने की चेष्टा करते हैं।

प्रश्न 28. उद्योगों की परंपरागत अवस्थिति को प्रभावित करने वाले कारकों की व्याख्या कीजिए। **5**

***अथवा,* निर्माण उद्योग के स्थानीयकरण को प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन करें।**

उत्तर : उद्योगों की परंपरागत अवस्थिति को प्रभावित करनेवाले कारक निम्नलिखित हैं–

(i) परिवहन के साधन– कच्चे माल की प्राप्ति स्थान से विनिर्माण इकाई तक, विकसित परिवहन के साधन, उद्योगों की अवस्थिति को महत्त्वपूर्ण ढंग से प्रभावित करते हैं। इसे आर्थिक दूरी के नाम से भी जाना जाता है।

(ii) कच्चा माल– कच्चे माल की उपलब्धता, उद्योगों की अवस्थिति का महत्त्वपूर्ण कारक है। जैसे- फल-डिब्बा बंदी उद्योग, फलों की प्राप्ति स्थान पर ही लगाये जाने से अधिक प्रभावी ढंग से कार्य करते हैं।

(iii) ऊर्जा के स्त्रोत– अधिकांश विनिर्माण उद्योग ऊर्जा के उपयोग पर आधारित हैं। अत: ऊर्जा के स्त्रोतों की उपलब्धता उद्योगों के निर्धारण में महत्त्वपूर्ण कारक है।

(iv) जल– कुछ उद्योग ऐसे हैं जिनमें भारी मात्रा में जल की आवश्यकता होती है। जैसे- लोहा-इस्पात उद्योग में एक टन इस्पात उत्पादन में 2 लाख लीटर जल की आवश्यकता होती है। अत: ऐसे उद्योग स्वाभाविक रूप से जल-स्त्रोत के निकट अवस्थित होते हैं।

(v) श्रम की उपलब्धता – कुशल एवं दक्ष तथा बड़ी मात्रा में श्रम की उपलब्धता उद्योग के निर्धारण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जैसे- हीरे के व्यापार में दक्ष कारीगर भारत में सूरत में पाये जाते हैं, अत: हीरा उद्योग का केन्द्रीकरण सूरत में हुआ है।

(vi) प्रबंधन की उपलब्धता – अच्छे प्रबंधकों को आकर्षित करने के लिए उचित एवं सुविधापूर्ण स्थानों पर उद्योगों को लगाने की आवश्यकता होती है।

(vii) पूँजी – पूँजी की गतिशीलता उद्योगों के निर्धारण में प्रमुख कारक है। ऐसा स्थान जहाँ बेहतर बैंकिंग सुविधा उपलब्ध हो, उद्योगों को अधिक आकर्षित कर सकता है।

(viii) सरकारी नीतियाँ – सरकारी प्रोत्साहन अथवा उदासीनता उद्योगों के निर्धारण में महत्त्वपूर्ण स्थान रखती है। राजनीतिक रूप से अस्थिर क्षेत्र में उद्योगों की गहनता कम होती है।

(ix) पर्यावरण – भौतिक पर्यावरण, उद्योगों के आकर्षण का महत्त्वपूर्ण कारक है। जैसे- गर्म जलवायु के कारण, संयुक्त राज्य अमेरिका में वायुयान उद्योग को देश के दक्षिण-पश्चिमी भाग में स्थानांतरित कर दिया गया है, जहाँ विमानशालाओं के तापन का खर्च कम है।

(x) औद्योगिकी जड़त्व – इसके अन्तर्गत उद्योगों से संबंधित अवसंरचनात्मक आधार आते हैं। इसमें परिवहन के साधन, ऊर्जा के स्त्रोत, बैंकिंग सुविधा आदि सम्मिलित हैं।

(xi) मानव कारक – समस्त सुविधाओं के ऊपर यह व्यक्ति ही निर्णय करता है कि उद्योग कहाँ पर लगाया जाय। अत: मानवीय निर्णय उद्योग के निर्धारण में मुख्य भूमिका निभाता है।

***अथवा,* भारत में उपजायी जानेवाली निम्नलिखित नकदी या वाणिज्यिक फसलों के लिए उपयुक्त जलवायु के बारे में लिखें–तिलहन, मूँगफली, गन्ना, कपास, जूट, एवं रबर।**

उत्तर : तिलहन : तिलहन के लिए उपजाऊ मिट्टी, गर्म एवं आर्द्र जलवायु की आवश्यकता होती है।

मूँगफली : मूँगफली के लिए 15° सेलसियस से 25° सेलसियस तापमान, 75 से.मी. से 125 से.मी. तक वर्षा तथा हल्की रेतीली मिट्टी की आवश्यकता होती है। इस दृष्टि से गुजरात,

Scanned with CamScanner

आंध्रप्रदेश, तमिलनाडू, कर्नाटक, महाराष्ट्र तथा मध्यप्रदेश की जलवायु मूँगफली उत्पादन के लिए अधिक अनुकूल हैं, भारत में मूँगफली के उत्पादन का 23% गुजरात में, 20% आंध्रप्रदेश में तथा शेष अन्य राज्यों में होता है।

गन्ना : गन्ना देश के ऊष्णकटिबंधीय तथा उपोष्णकटिबंधीय, दोनों प्रकार के क्षेत्रों में उपजाये जाते हैं। गन्ना दक्षिण भारत में कन्याकुमारी से लेकर उत्तर में पंजाब तक पैदा किया जाता है। गन्ना उत्पादन के लिए 20^0 से 270^0 सेल्सियस का उच्च तापमान तथा 100 से.मी. तक की वर्षा अपेक्षित है।

कपास : कपास उन क्षेत्रों में उत्पन्न होता है जहाँ सुअपवाहित गहरी मृदा (मिट्टी) पायी जाती है। कपास के पौधे की वृद्धि के लिए समान रूप से वितरित हल्की वर्षा (या सिंचाई) चाहिए। कपास चुनने के समय तेज धूप चाहिए। तुषारपात से कपास को बहुत हानि पहुँचती है। इसलिए कपास की खेती वहाँ की जाती है जहाँ उनकी वृद्धि की अवधि में 21^0 सेल्सियस से अधिक तापमान रहता है। कपास रोपण के दिन से लेकर लगभग 200 दिनों तक पाला या ओला नहीं पड़ना चाहिए। आकाश साफ रहना चाहिए। चमकदार तेज धूप रहनी चाहिए। वर्षा 50 से.मी. से 100 से.मी. अपेक्षित है। दक्षिण भारत के पठारी क्षेत्रों की काली (Black Soil) मृदा तथा शुष्क क्षेत्रों में कपास की खेती के लिए सर्वाधिक अनुकूल जलवायु उपलब्ध है।

जूट : जूट की खेती वहाँ सम्भव है, जहाँ भारी वर्षा होती है। तापमान उच्च रहता है। 100 से.मी. से 200 सें.मी. की वर्षा अपेक्षित है। तापमान 25^0 से 35^0 सेल्सियस होना चाहिए।

रबर : रबर की खेती के लिए 30^0 सेल्सियस से 35^0 सेल्सियस तापमान, 150 से.मी. से 200 से.मी. तक वर्षा तथा लाल, लेटेराइट चिकनी तथा दोमट मिट्टी की आवश्यकता होती है। 'रबर' नामक पेड़ के रस से रबर तैयार किया जाता है। भारत में केरल मुख्य रबर उत्पादक प्रदेश है।

प्रश्न 29. दिये गये विश्व के रेखा मानचित्र पर निम्नलिखित को दर्शाएँ। 5

(a) कॉफी उत्पादक प्रसिद्ध देश - ब्राजील

(b) उत्तरी अमेरिका अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा - न्यूयार्क

(c) ट्रांस कैनेडियन रेल मार्ग के पूर्वी एवं पश्चिमी छोर - हैलीफेक्स तथा वैंकुवर

(d) संसार का सबसे बड़ा मेगा सिटी - टोक्यो (जापान)

...रेखा-मानचित्र पर निम्नलिखित को दर्शाएँ।

अथवा, दिये गये विश्व के रेखा-मानचित्र पर निम्नलिखित को दर्शाएँ।

(a) पम्पास क्षेत्र एवं प्रेयरी क्षेत्र
(b) ट्रांस आस्ट्रेलियन रेल मार्ग के पूर्वी एवं पश्चिमी स्टेशन – सिडनी एवं पर्थ
(c) दक्षिणी अफ्रीका का प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय समुद्री पत्तन - केपटाउन
(d) यूरोप का सबसे बड़ा महानगर - लंदन (ब्रिटेन)
(e) एशिया, यूरोप, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, उत्तरी अमेरिका, दक्षिण अमेरिका

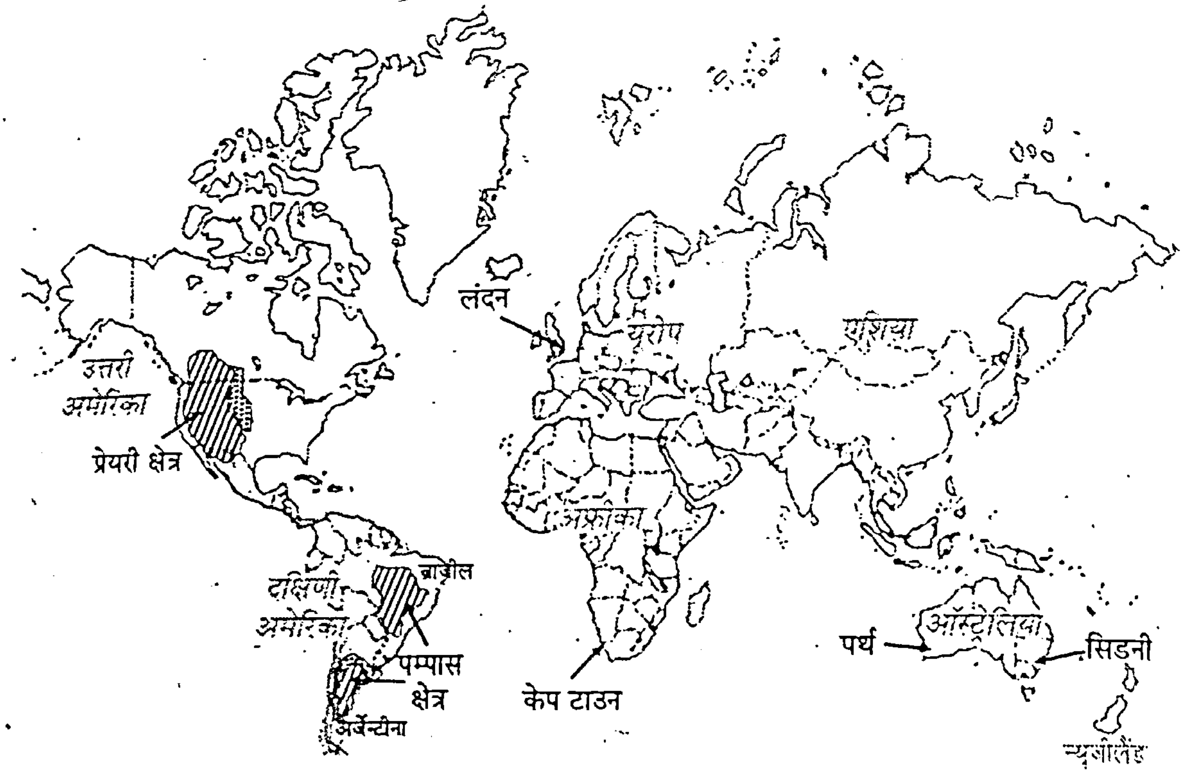

अथवा, दिये गये विश्व के रेखा मानचित्र पर निम्नलिखित को दर्शाएँ।

(a) एटलांटिक महासागर (b) अर्जेण्टीना (c) जापान
(d) दक्षिण अफ्रीका (e) फ्रांस

उत्तर :

Scanned with CamScanner